हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर

आधारित पाठ्यक्रम

With CBCS / Grading Pattern

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति एवं एक्सटर्नल पद्धति के छात्रों के लिए

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

(Regular & External Students)

जून-२०१७ से कार्यान्वित

पृष्ठ संख्या : १ से २५ तक

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 101	सामान्य स्तर: आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, जीवनी)
प्रश्नपत्र - २	CC 102	विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास – रामचरित मानस – (अयोध्या कांड) (सूरदास-भ्रमरगीत सार)
प्रश्नपत्र - ३	CC 103	विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत
प्रश्नपत्र - ४	CE 104	विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार
	CE 104	(अ) कबीर
	CE 104	(ब) प्रेमचंद – गोदान प्रेमचंद – प्रतिनिधि कहानियाँ
	CE 104	(क) नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र - ५	IDC 105	राजभाषा प्रशिक्षण

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 101	सामान्य स्तर - आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास कहानी तथा आत्मकथा)
- २		उपन्यास – ठीकरे की मंगनी - नासिरा शर्मा (किताबघर प्रकाशन, दिल्ली)
- ३		कहानी - भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियाँ - - राजकमल प्रकाशन, (गंगो का जाया, चीफ की दावत, खून का रिश्ता माता-विमाता, अमृतसर आ गया है, सागमीट, बाङ्चू, लीला नन्दलाल की)
- ४		आत्मकथा-क्या भूलूँ क्या याद करु–हरिवंशराय बच्चन प्र. राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - १ प्रश्नपत्र का स्वरूप १४ अंक

उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न होगा (विकल्पसहित)

प्रश्नपत्र - २	उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न होगा (विकल्प सहित)	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ३	कहानी पर वैकल्पिक प्रश्न (विकल्प सहित)	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ४	उपन्यास अथवा आत्मकथा, कहानी अथवा कहानी में से टिप्पणियाँ पूछनी होगी	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ५	अति लघुत्तरी प्रश्न (हिन्दी १२ में से ७) (सभी कृतियों में से)	१४ अंक

संदर्भ :

१. उपन्यासकार नासिरा शर्मा – सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२. महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : शील प्रभा वर्मा – विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर ।

३. मुस्लिम उपन्यासकार : परिवेश और उपन्यास - वाङ्मय प्रकाशन, अलीगढ ।

४. कथाकार भीष्म साहनी – डॉ. कृष्णा पटेल, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर ।

५. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर - वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

६. आत्मकथा साहित्य - सिद्धांत और समीक्षा - डॉ. आनंद सिंहल, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

७. हिन्दी आत्मकथा - स्वरुप एवं साहित्य - डॉ. कमलेश सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	**कोड नं.**	**विषय**
प्रश्नपत्र - १	CC 102	विशेष स्तर – प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास तथा सूरदास)

१. तुलसीदास – रामचरितमानस (अयोध्याकांड) – (संदर्भ के लिए)
प्रकाशन – लोकभारती प्रकाशन, ईलाहाबाद ।

२. सूरदास - भ्रमरगीत सार - आ. रामचंद्र शुक्ल पर संख्या - २५
४, ६, ८, ९, ११, १६, १८, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, ३१, ३४, ३९, ४१, ४२, ४५, ५०, ५७, ६१, ६४, ७५, = २५

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन

१. संदर्भ व्याख्या :
तुलसीदास अथवा तुलसीदास – ७
सूरदास अथवा सूरदास - ७ : १४ अंक

२. तुलसीदास अथवा तुलसीदास पर दीर्घोत्तर प्रश्न - १४ अंक

३. सूरदास अथवा सूरदास पर दीर्घोत्तर प्रश्न - १४ अंक

४. तुलसीदास अथवा सूरदास पर वैकल्पिक टिप्पणियाँ - १४ अंक

५. अति लघुत्तरी प्रश्न : (किन्हीं १२ में से – ७) (सभी कृतियों से) – १४ अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. सूरदास : आ. रामचंद्र शुक्ल : सरस्वती मंदिर, वाराणसी ।

२. सूर मीमांसा - डॉ. व्रजेश्वर शर्मा, ऑरिएन्टल बुक, दिल्ली ।

३. सूर साहित्य - आ. हजारी प्रसाद त्रिवेदी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

४. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य – डॉ. सत्येन्द्र पारीक, सुशील प्रकाशन, अजमेर ।

५. सूर की काव्य - साधना - डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार, गिरनार प्रकाशन, मेहसाणा ।

६. अयोध्यकांड - योगेन्द्र प्रतापसिंह, ईलाहाबाद ।

७. गोस्वामी तुलसीदास – व्यक्तित्व एवं साहित्य - रामदत्त भारद्वाज ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	**कोड नं.**	**विषय**
प्रश्नपत्र - १	CC 103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

विभाग :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र :

(१) काव्य-परिभाषा, काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य-प्रयोजन काव्य के प्रकार ।

(२) रस सिद्धांत -

रस का स्वरुप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।

(३) अलंकार सिद्धांत -

अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।

(४) रीति सिद्धांत -

रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

(५) ध्वनि सिद्धांत -

ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धांत की स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख जोडे, गुणीकूत व्यंग्य, चित्र काव्य ।

(६) औचित्य सिद्धांत -

प्रमुख स्थानाएँ, औचित्य के भेद ।

विभाग :

(ख) हिन्दी कवि आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिन्तन :

लक्षण काव्य परंपरा एवं कवि लक्षण

विभाग (क) और (ख) में से तीन दीर्घोत्तरी (वैकल्पिक) प्रश्न - १४ अंक के

विभाग (क) और (ख) में से टिप्पणियाँ - १४ अंक

दोनों विभागों में अति लघुत्तरी प्रश्न - १४ अंक

(किन्ही १२ में से ७)

संदर्भ के लिए किताबें :

(१) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(२) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(३) रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र – प्रकाशन वही ।

(४) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

(५) रस सिद्धांत - स्वरुप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित - राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।

(६) भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।

(७) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड, क्वालिटी बुक्स, कानपुर ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 103	संदर्भ - भारतीय काव्य शास्त्र

(१) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(२) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(३) रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र – प्रकाशन वही ।

(४) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

(५) रस सिद्धांत - स्वरुप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित - राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।

(६) भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।

(७) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड, क्वालिटी बुक्स, कानपुर ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	**कोड नं.**	**विषय**
प्रश्नपत्र - १	CE 104	(अ) कबीर - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
संदर्भ के लिए पद :		१, ५, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १५, १८, २०, २२, २५, २७, ३०, ३२, ३३, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४१, ४३, ४५, ५५, ६३, ६६, ६७, ६९ = **३० पद**
प्रश्नपत्र - २	CE 104	(आ) प्रेमचंद – गोदान – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
	CE 104	प्रेमचंद – प्रतिनिध कहानियाँ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली । (ईदगाह, पूस की रात, सवा सेर गेहूं, शतरंज के खिलाडी, ठाकुर का कुआँ, सद्गति, कफन ।)
प्रश्नपत्र - ३	CE 104	नाटककार मोहन राकेश - आषाढ का एक दिन और लहरों के राजहंस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन :

ससंदर्भ व्याख्या (वैकल्पिक)	-	७ x २	=	१४ अंक
वैकल्पिक दीर्घोतरी प्रश्न तीन (वैकल्पिक)	-			१४ अंक
टिप्पणियाँ (वैकल्पिक)	-			१४ अंक
अति लघुत्तरी प्रश्न (१२ में से ७)	-			१४ अंक

संदर्भ :

१. कबीर साहित्य की परख - आ. परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, लीडर प्रेस ईलाहाबाद ।

२. कबीर विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।

३. गोदान - एक अध्ययन - डॉ. रामगुप्त वर्मा, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर ।

४. प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ. नारायण, हंस प्रकाशन, कानपुर ।

५. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।

६. आज का हिन्दी नाटक – प्रगति और प्रभाव - डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली ।

७. मोहन राकेश का नारी संसार – श्रीमति पिंपलापुरे, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	IDP 105	राजभाषा प्रशिक्षण

- भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ।
- राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति ।
- राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक राष्ट्रपति के आदेश (१९५२ से १९५५, १९६०) राजभाषा अधिनियम १९६३, राजभाषा संकल्प १९६८ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी ।
- हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका ।
- हिन्दी कम्प्युटरीकरण ।
- बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति ।
- भू-मंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य ।

संदर्भग्रंथ सूची :

१. राजभाषा हिन्दी – डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया

२. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी

३. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे

४. कम्प्युटर के विविध आयाम - रामगोपाल सिंह

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 201	सामान्य स्तर : आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ (नाटक एवं निबंध)
प्रश्नपत्र - २	CC 202	विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिन्दी काव्य संक्षिप्त बिहारी तथा मीरा पदावली
प्रश्नपत्र - ३	CC 203	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्रश्नपत्र - ४	CE 204	विशेष स्तर : वैकल्पक : विशेष विधा तथा अन्य
	CE 204	(अ) हिन्दी उपन्यास
	CE 204	(ब) दृश्य-श्राव्य माध्यम लेखन
	CE 204	(क) दलित साहित्य
प्रश्नपत्र - ५	IDP 205	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का पद्मावत

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 201	सामान्यस्तर:**आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ**

१. कोर्ट मार्शल – स्वदेश दीपक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

३. निबंध - अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

१. अशोक के फूल
२. वसंत आ गया है
३. प्रायश्चित की घड़ी
४. घर जोडने की माया
५. सावधानी की आवश्यकता
६. आपने मेरी रचना पढी ?
७. भारतीय संस्कृति की देन

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन :

१. कोर्ट मार्शल अथवा कोर्ट मार्शल में से दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४ अंक

२. ध्रुवस्वामिनी अथवा ध्रुवस्वामिनी में से दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४ अंक

३.	अशोक के फूल अथवा अशोक के फूल निबंध संग्रह में वैकल्पिक प्रश्न-		१४ अंक
४.	टिप्पणियाँ - तीनों कृतियों में से वैकल्पिक	-	१४ अंक
५.	अति लघुत्तरी प्रश्न (किन्हीं १२ में से ७)	-	१४ अंक :
		कुल	७० अंक

संदर्भ :

१. स्वदेश दीपक का साहित्य : विविध आयाम, डॉ. सुरेशकुमार – संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

२. नाटककार - जयशंकर प्रसाद – संपा - सत्येन्द्र तनेजा राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

३. प्रसाद के नाटक – डॉ. सिद्धनाथकुमार, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद ।

४. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ - प्रा. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

५. आ. हजारी प्रसार द्विवेदी – सर्जक और चिंतक – डॉ. मृदुला पारिक, पार्श्व प्रकाशन, अहमदावाद ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 202	बिहारी : संक्षिप्त बिहारी – श्री रमाशंकर प्रसाद, इन्डियन प्रेस, प्राइवेट लि. प्रयाग निम्नांकित ५० दोहे १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, १४, १५, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २७, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४०, ४२, ४४, ४६, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२,६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८, ८०, ८१, ९१, ९५ = ५० दोहे ।
- २		मीराबाई की पदावली : संपा. आ. परशुराम चतुर्वेदी, प्रका. हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, निम्नांकित २५ पद १, ३, ५, ८, ११, १४, १६, १९, २१, २४, २५, २९, ३३, ३७, ३९, ४१, ४४, ४६, ४९, ५२, ५४, ५७, ६०, ६१, ६२ = २५ पद ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :

ससंदर्भ व्याख्या	७ x २ =	**१४ अंक**
बिहारी अथवा बिहारी दीर्घोत्तरी प्रश्न		**१४ अंक**
मीरां अथवा मीरां दीर्घोत्तरी प्रश्न		**१४ अंक**
बिहारी अथवा मीरां दीर्घोत्तरी प्रश्न		**१४ अंक**
अति लघुतत्री प्रश्न (१२ में से ७)		**१४ अंक**

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 202	बिहारी :

१. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी प्रकाशन, वाराणसी ।

२. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह, प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।

३. बिहारी और उनकी सतसई - डॉ. श्री राम वर्मा सजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

४. मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी - डॉ. राम सागर त्रिपाठी अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

५. मीरा की भक्तिभावना - डॉ. धनंजय चौहाण, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।

६. मध्यकालीन काव्य - एक दृष्टिपात - संपा. डॉ. अर्जुन के तड़वी, रावल प्रकाशन, पाटण ।

७. भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव, कमला प्रकाशन, डीसा ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 203	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धांत और वाद

(क) प्लेटो – काव्य सिद्धांत ।

अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन ।

लोंजाइनस - उदात की अवधारणा ।

वड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत ।

कॉलरिज - कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना ।

टी.एस. इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिक्ता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य ।

आइ.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना ।

(ख) सिद्धांत और वाद –

आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, माकेर्सवाद, मनोविश्लेण तथा अस्तित्ववाद ।

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभावन :

(क)	में से तीन वैकल्पिक प्रश्न	-	१४ अंक के
(ख)	में से दो टिप्पणियाँ (वैकल्पिक)	-	१४ अंक
	अंति प्रश्न अतिलघुत्तरी (१२ में से ७)	-	१४ अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परंपरा - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

२. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन - निर्मला जैन, कुसुम बांध्या राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

३. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

४. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, केसरी नारायण शुक्ल, नंद किशोर एण्ड संस - वाराणसी ।

५. काव्य में उदात्त तत्त्व - डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

U-Tube पर ई-पाठशाला के अंतर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध है ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CE 204	विशेष स्तर : विशेष वैकल्पिक विधा तथा अन्य

(क) हिन्दी उपन्यास :

पाठ्य विषय -

उपन्यास का स्वरुप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियां, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य ।

व्याख्या वं विवेचना के लिए दो उपन्यास का अध्ययन अपेक्षित है –

(१) चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा

(२) जंगलतंत्र - श्रवणकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन,

प्रश्नपत्र का पारुप :

१.	चित्रलेखा और जंगलतंत्र उपन्यास में संदर्भ (वैकल्पिक)	-	१४ अंक
२.	चित्रलेखा अथवा चित्रलेखा दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	१४ अंक
३.	जंगलतंत्र अथवा जंगलतंत्र दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	१४ अंक
४.	दोनों कृतियों में से वैकल्पिक टिप्पणी	-	१४ अंक
५.	अति लघुत्तरी	-	१४ अंक

अथवा

प्रश्नपत्र - ८ दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन :

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रोनिक मीड़िया की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है । हिन्दी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए । यह पाठयक्रम अत्यंत रोजगारपरक है ।

- ❖ माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
- ❖ हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास ।
- ❖ रेडियो नाटक की प्रविधि ।
- ❖ रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर ।
- ❖ रेडियो नाटक के प्रमुख भेद, रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियों फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्युमेन्ट्री फीचर) ।
- ❖ टी.वी. नाटक की तकनीक । टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य । संचार माध्यम के अन्य विविध रूप ।
- ❖ साहित्यिक विद्याओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण-कला । इलैक्ट्रोनिक मीड़िया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि ।
- ❖ संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा ।
- ❖ विज्ञान फिल्मों की प्रविधि ।
- ❖ संचार माध्यमों की भाषा ।
- ❖ हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ ।

संदर्भ :

१. रंग परंपरा - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

२. दृश्य-अदृश्य - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

३. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पांतजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

४. रंगकर्म और मीडिया ृ डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, १३/४७६१, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – १ ।

५. पटकथा लेखन : फिचर फिल्म - उमेश राठौर, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

६. हिन्दी नाटक का विकास – डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

७. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

८. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क – डॉ. ताहेश भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

९. हिन्दी नाटक आज-कल – डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१०. संपूर्ण रंग नाटक – डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

११. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१२. विज्ञान संचार – डॉ. मनोज पटैरिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१३. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा - डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

१४. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग - ले. कृष्णकुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३, कूचा चेलान, दरियागंज, नई दिल्ली – २ ।

१५. हिन्दी नाट्यकला और रेडियो नाटक – राधेश्याम वाजपेयी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१६. भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार – विष्णु पंकज, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली-२ ।

१७. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - संपादन : त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१८. संचार माध्यमों के लिए विज्ञान कथा - राजवी रंजन उपाध्याय तथा अरविंद मिश्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१९. संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता - अशोककुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

२०. सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर/नसरीन मुन्नी कबीर, प्र. रामकमल प्रकाशन, प्रा. ली., १/बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – १ ।

२१. टेलिविजन लेखन - असगर वजाहत / प्रभात रजन, प्र. राधाकृष्ण, प्रा. लि., बी. – १७ जगतपुरी, दिल्ली – ५१ ।

२२. रेडियो नाटक की कला - डॉ. सिद्धनाथ कुमार प्र. तथा प्रका. दिल्ली – ५१ ।

२३. रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्र. तथा प्रका. दिल्ली – ५१ ।

२४. जनसंचार : विविध आयाम - व्रजमोहन गुप्त, प्र. तथा प्रका., दिल्ली – ५१ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :

वैकल्पिक आलोचनात्मक प्रश्न – ४	१४ x ४ = ५६
टिप्पणी - तीन में से दो	०७ x २ = १४
	७०

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 204	दलित साहित्य

१. दलित लेखन अवधारणा एवं इतिहास

२. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

३. छप्पर (उपन्यास) विश्लेषण एवं अध्ययन

ले. जयप्रकाश कर्दम - राहुल प्रकाशन नई दिल्ली ।

४. सलाम (कहानी संग्रह) विश्लेषण एवं अध्ययन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

पठित कहानियाँ - सलाम, सपना, भय, कहाँ जाए सतीश?, ग्रहण, बिरम की बहु, गोहत्या ।

प्रश्नपत्र का पारुप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न - १	छप्पर उपन्यास में से	१४ अंक
	सलाम कहानी संग्रह में से संदर्भ (वैकल्पिक)	
- २	उपन्यास और उपन्यास में से वैकल्पिक प्रश्न (दीर्घोत्तरी)	१४ अंक

- ३ कहानियों में से वैकल्पिक प्रश्न १४ अंक
- ४ दोनों रचनाओं में से टिप्पणियाँ (विकल्प) १४ अंक
- ५ अति लघुत्तरी प्रश्न (१२ में से ७) १४ अंक

संदर्भ :

१. मोहनदास नैमिषराय के उपन्यासों में विद्रोह – विकास विधाते वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

२. ओमप्रकाश वाल्मिकी के साहित्य में दलित चेतना - चन्द्रभानु सुरवडे - वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

३. दलित चेतना केन्द्रित हिन्दी – गुजराती - उपन्यास – डॉ. गिरीशकुमार रोहित - गुजरात दलित साहित्य अकादमी, अहमदाबाद ।

४. हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य - अंतरंग पड़ताल – डॉ. धीरजभाई वणकर, ज्ञान प्रकाश कानपुर ।

५. हिन्दी दलित कहानियाँ - आशीषकुमार दीपांकर संघर्ष का मूल स्वर, वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

६. दलित एवं स्त्री विमर्श सं. डॉ. गोवर्धन बंजारा, डॉ. लवीन्द्रसिंह लबाना, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद ।

७. दलित साहित्य - प्रकृति और संदर्भ – डॉ. संजय नेवले, गिरीश कासिद-अमन प्रकाशन, कानपुर ।

८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

९. साहित्य विचार – डॉ. अर्जुन के. तडवी - ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	IDP 205	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का पद्मावत

- सूकी काव्य परंपरा - मुल्ला दाउद-मंझन, कुतुबन और जायसी
- पद्मावत में सूफी दर्शन
- पद्मावत में लोकसंस्कृति
- पद्मावत में प्रेमनिरुपण
- पद्मावत में महाकाव्यत्व
- पद्मावत में विरहवर्णन
- पद्मावत में पात्र-निरुपण
- पद्मावत में प्रतीकयोजना
- पद्मावत की काव्यकला

सूचना : संदर्भ नहीं पूछे जायेंगे ।

- **संदर्भग्रंथ सूची :**

१. मलिक मुहम्मद जायसी : मौलिक चिन्तन एवं अनुसंधान की नयी समीक्षा-कन्हैयासिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।

२. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

३. जायसी : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

४. जायसी की प्रेम साधना - रामचन्द्र बिल्लौरे - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।